पूर्व प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम के क्रियान्वयन का अध्ययन

(जलगाँव जिले के संदर्भ में)

बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय भोपाल की मास्टर ऑफ एजुकेशन (आर.आई.ई.)

उपाधि की आंशिक सम्पूर्ति हेतु

विद्यया ऽमृतमश्नुते

एन सी ई आर टी
NCERT

लघु शोध प्रबंध

वर्ष 2013-14

निर्देशक

डॉ. श्रीमती रत्नमाला आर्य

(सह प्राध्यापक)

शिक्षा विभाग, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान,

भोपाल

शोधकर्ता

चौधरी किरन

एम.एड. छात्र

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान

(राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, नई दिल्ली)

श्यामला हिल्स, भोपाल (म.प्र.)

पूर्व प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम के क्रियान्वयन का अध्ययन

(जलगाँव जिले के संदर्भ में)

बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय भोपाल की मास्टर ऑफ एजुकेशन (आर.आई.ई.)

उपाधि की आंशिक सम्पूर्ति हेतु

विद्यया ऽमृतमश्नुते

एन सी ई आर टी
NCERT

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल मध्य प्रदेश
Regional Institute of Education, Bhopal
पुस्तकालय
Library

लघु शोध-प्रबंध

वर्ष 2013-14

D - 447

निर्देशक

डॉ. श्रीमती रत्नमाला आर्य
(सह प्राध्यापक)
शिक्षा विभाग, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान,
भोपाल

शोधकर्ता

चौधरी किरन
एम.एड.

18 APR 2019

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान

(राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, नई दिल्ली)

श्यामला हिल्स, भोपाल (म.प्र.)

घोषणा-पत्र

मैं किरण चौधरी, एम.एड. (आर.आई.ई.) यह घोषणा करता हूँ कि **"पूर्व प्राथमिक शिक्षा के क्रियान्वयन का अध्ययन-जलगांव जिले के संदर्भ में"** विषय पर लघु-शोध प्रबंध डॉ. रत्नमाला आर्य (सह-प्राध्यापक) क्षेत्रीय शिक्षण संस्थान (एन.सी.ई.आर.टी.) भोपाल के निर्देशन में पूर्ण किया गया है। इस शोध में लिए गये प्रदत्त एवं सूचनाएं विश्वसनीय स्त्रोतों तथा मूलस्थानों से प्राप्त की गयी हैं तथा ये प्रयास पूर्णतः मौलिक है। यह लघुशोध मेरे द्वारा बरकतउल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल की एम.एड. (आर.आई.ई.) 2013-14 की उपाधि की आशिंक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत किया जा रहा है।

स्थानः क्षेत्रीय शिक्षण संस्थान
दिनांकः

शोधकर्ता
किरण चौधरी
एम.एड. (आर.आई.ई.)
क्षेत्रीय शिक्षण संस्थान (एन.सी.ई.आर.टी.),
श्यामला हिल्स, भोपाल

प्रमाण–पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि **किरन चौधरी** जो कि क्षेत्रीय शिक्षण संस्थान (एन.सी.ई.आर.टी.), श्यामला हिल्स, भोपाल में नियमित विद्यार्थी के रूप में अध्ययनरत है, ने एम.एड. (आर.आई.ई.) में स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त करने हेतु लघु–शोध प्रबंध कार्य **पूर्व प्राथमिक शिक्षा के क्रियान्वयन का अध्ययन-जलगांव जिले के संदर्भ में** मेरे निर्देशन में विधिवत पूर्ण किया है। प्रस्तुत लघु–शोध प्रबंध पूर्णतया मौलिक है, जिसे मेहनत, ईमानदारी तथा पूर्णनिष्ठा से किया गया है एवं पूर्व में इस आशय से बरकतउल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल में प्रस्तुत नहीं किया गया है। प्रस्तुत लघुशोध प्रबंध बरकतउल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल की सत्र 2013–2014 की एम.एड. (आर.आई.ई.) में स्नातकोत्तर उपाधि परीक्षा की आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत है।

स्थानः क्षेत्रीय शिक्षण संस्थान
दिनांकः

निर्देशक 6/5/14

डॉ. रत्नमाला आर्य
(सह प्राध्यापक) शिक्षा विभाग
क्षेत्रीय शिक्षण संस्थान (एन.सी.ई.आर.टी.)
श्यामला हिल्स, भोपाल

आभार ज्ञापन

"हृदय हो रहा है नतमस्तक,

मौन रहू या व्यक्त करूं।

देना है आभार मुझे

किन-किन शब्दों में व्यक्त करूं"

प्रस्तुत शोधकार्य में **"पूर्व प्राथमिक शिक्षा के क्रियान्वयन का अध्ययन-जलगांव जिले के संदर्भ में"** का संपूर्ण श्रेय मेरे निर्देशक डॉ. रत्नमाला आर्य (सह-प्राध्यापक) क्षेत्रीय शिक्षण संस्थान, भोपाल को है, जिन्होंने अत्यधिक व्यस्तता के बावजूद उचित, निरन्तर परामर्श, पर्याप्त निर्देश तथा सौहार्द पूर्ण व्यवहार से अनवरत प्रोत्साहन देकर मेरी समस्याओं का निराकरण करके मुझे प्रगति की ओर अग्रसर करते हुये अपना अमूल्य समय और सहयोग प्रदान किया। प्रस्तुत लघुशोध प्रबंध आपके ही मार्गदर्शन का प्रतिफल है। आपके द्वारा शोधकार्य में आत्मीय व्यवहार, वात्सल्य पूर्ण सहयोग एवं निर्देशन मुझे आजीवन अविस्मरणीय रहेगा।

मैं आदरणीय प्राचार्य डॉ. एच.के. सेनापति जी एवं डॉ. बी.रमेश बाबू विभागाध्यक्ष (शिक्षा विभाग) क्षेत्रीय शिक्षण संस्थान, भोपाल के स्नेहपूर्ण व्यवहार, सहयोग तथा आर्शिवाद हेतु हृदय से आभारी हूँ।

आदरणीय डॉ. नीतायी चरण ओझा जी, डॉ. किरण माथुर, श्री संजय कुमार पण्डागले, श्री आनन्द वाल्मीकी, डॉ. के.के. खरे, डॉ. सुनिति खरे एवं समस्त गुरूजनों के प्रति हृदय से आभारी हूँ जिन्होंने समय-समय पर सेमिनार में तथा आवश्यकता पड़ने पर उचित मार्गदर्शन देते हुये इस शोध कार्य को पूर्ण करने में सहयोग किया।

मैं पुस्तकालय अध्यक्ष डॉ. पी. के. त्रिपाठी एवं पुस्तकालय के सभी कर्मचारियों का आभारी हूँ।

मैं उन समस्त आंगनवाड़ी कार्यकताओं के प्रति विशेषरूप से आभारी हूँ, जिन्होंने शोध कार्य के लिए अपना अमूल्य समय एवं सहयोग दिया है। मैं सहृदय से आजीवन ऋणी रहूंगा

मेरे माता-पिता श्रीमति सुशिला चौधरी एवं श्री असांबर उखा चौधरी का जिनका वात्सल्य, प्रेरणा एवं समर्पण मुझे हमेशा आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता रहा है। मेरी बड़ी बहन सौ. ज्योति संजय निरकर और छोटा भाई नितिन चौधरी एवं मेरी अर्धांगिनी सौ. कामिनि किरण चौधरी का जिनके आत्मीय व्यवहार, अविस्मरणीय सहयोग प्रदान कर मेरे आत्मबल को प्रतिपल प्रोत्साहित किया जिनकी प्रेरणा मेरे मनःचक्षु में पुष्प की तरह पल्लवित पुष्पित होती है।

अन्त में आभारी हूँ अपने समस्त सहपाठियों का विशेषकर संजय कुशवाह का जिन्होंने शोधलेखन के दौरान आई कठिनाइयों का समाधान करने में मेरी मदद की। यदि मैं यह कहूँ कि इनके सहयोग के बिना मेरा शोधकार्य अपूर्ण होता तो अतिश्योक्ति न होगी।

मैं शोधलेखन के समयाविधि के प्रत्येक क्षण जो मुझे जीवन पर्यन्त अविस्मरणीय रहेगें। मैं जीवन पर्यन्त चिर ऋणी रहूंगा।

स्थानः क्षेत्रीय शिक्षण संस्थान
दिनांकः

शोधकर्ता
किरण चौधरी
एम.एड. (आर.आई.ई.)
क्षेत्रीय शिक्षण संस्थान (एन.सी.ई.आर.टी.),
श्यामला हिल्स, भोपाल

अनुक्रमणिका

विवरण	पृष्ठ क्रमांक
• घोषणा–पत्र	I
• प्रमाण–पत्र	II
• आभार ज्ञापन	III
• विषय सूची	V

अध्याय प्रथम – शोध परिचय 1–19

1.1 प्रस्तावना
1.2 विभिन्न आयोगों की अनुशंसाए
1.3 पूर्व प्राथमिक शिक्षा की आवश्यकता
1.4 पूर्व प्राथमिक विद्यालय पाठ्यक्रम का स्तर
1.5 पूर्व प्राथमिक शिक्षा के उद्देश्य
1.6 पूर्व प्राथमिक शिक्षा का महत्व
1.7 ई.सी.ई. कार्यक्रम के उद्देश्य
1.8 एकीकृत बाल विकास परियोजना (आई.सी.डी.एस.)
1.9 एकीकृत बाल विकास सेवाएं, योजना क्यो ?
1.10 एकीकृत बाल विकास परियोजना कार्यक्रम के उद्देश्य
1.11 आंगनवाड़ी
1.12 समस्या कथन
1.13 शोध के उद्देश्य
1.14 शोध समस्या में प्रयुक्त शब्दावली की परिभाषा
1.15 अध्ययन की आवश्यकता एवं महत्व
1.16 शोध कार्य की परिसीमाएँ

अध्याय द्वितीय – संबंधित साहित्य का पुनरावलोकन 20–28

अध्याय द्वितीय - संबंधित साहित्य का पुनरावलोकन **20-28**

2.1 भूमिका
2.2 साहित्य पुनरावलोकन का महत्व एवं योगदान
2.3 पूर्व में किये गये शोध
2.4 वर्तमान में किये गये शोध

अध्याय तृतीय - शोध विधि तथा प्रक्रिया **29-32**

3.1.0 भूमिका
3.2.0 न्यादर्श का चयन
3.3.0 न्यादर्श की विशेषताएँ
3.4.0 उपकरणों का निर्माण एवं विकास
3.4.1 साहित्य अध्ययन
3.4.2 विशेषज्ञों से चर्चा
3.4.3 पर्यवेक्षकों व कार्यकर्ताओं से चर्चा
3.4.4 क्षेत्र का निर्धारण
3.4.6 प्रथम प्रारूप तैयार करना
3.4.6 लघु न्यादर्श परीक्षण
3.5.0 प्रदत्त संकलन
3.6.0 विश्लेषण हेतु सांख्यिकीय

अध्याय चतुर्थ - प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या 33-45

4.1 भूमिका
4.2 प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या

अध्याय पंचम - सार निष्कर्ष तथा सुझाव 46-50

5.1 प्रस्तावना
5.2 समस्या कथन
5.3 अध्ययन के उद्देश्य
5.4 शोध कार्य की परिसीमाएँ
5.5 अध्ययन विधि
5.6 प्रदत्त का संकलन
5.7 निष्कर्ष
5.8 सुझाव
5.9 भावी शोध हेतु सुझाव

संदर्भ ग्रंथ

परिशिष्ट